The special enactment "The Sales Promotion (Employees Condition of Service) Act, 1976 had been framed with the objective of extending to the sales promotion employees the benefits available to workmen under the Industrial Disputes Act, 1974 and under certain other labour laws. Hence, the definition of Sales Promotion Employees appearing in the Sales Promotion Employees (Conditions of Service) Act, 1976 had been amended in 1986 to bring at par with the definition of "workman"-as given in the Industrial Disputes Act, 1947. As a result persons working in administrative and managerial capacity as well as those working in supervisory capacity and drawing wages exceeding Rs. 1600/- p.m. are excluded from the purview of the Act. This has been communicated to the Federation.

Survey of labour force in the country

6334. DR. SHRIKANT RAMCHANDRA JICHKAR: Will the Minister of LABOUR be pleased to state:

(a) whether any survey of the labour force in the country was lately made;

(b) if so, what is the present strength of the total labour force in the country category-wise;

(c) whether these statistics include agricultural labourers; and

(d) if so, what is the date of which these statistics pertain?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF LABOUR (SHRI P. A. SANGMA): (a) to (d) The data on labour forces of the country is available through decennial population census conducted by the Registrar General and Census Commissioner, India. The latest census was conducted in the year 1991. As per this census the workers in India have been categorised into nine Industrial categories including Agricultural labourers, on the basis of occupation/employment in which they are engaged. The detailed break-up of these categories is given in Statement.

Statement

Industrial categories of main workers in India

S. No.	Categories	Total Persons Numbers of (Rural and Urban)
1	2	3
1	Cultivators	110,702,346
2	Agricultural Labourers	74,597,744
3	Live stock, forestry, fishing, hunting and plantations, orchards and allied activities	6,040,739
4	Mining & Quarrying:	1,751,275
5(a)	Manufacturing, processing, servicing and repairs in house-hold Industry	6,804,021

1	2	3
5(b)	Manufacturing, processing servicing and repairs other than household industry	21,867,458
6	Constructions	5,543,205
7	Trade & Commerce	21,296,337
8	Transport, Storage and Communication	8,017,746
9	Other services;	29,311,622

SOURCE:— Census of India 1991-Union Primary Census abstract-1991. issued by the office of the Registrar General Census Commissioner, India.

बालक श्रम (प्रतिषेध और विनियमन) अधिनियम, 1986 में प्रक्रियाएं

6335. चौधरी हरमोहन सिंह : क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बालक श्रम (प्रतिषेध और विनियमन) अधिनियम, 1986 की धारा 3 के अंतर्गत अनुसूची में क्या-क्या प्रक्रियाएं शामिल हैं ; और

(ख) गत दो वर्षों के दौरान प्रत्येक प्रक्रिया के अंतर्गत कितने बालक श्रमिकों की पहचान की गई है ?

श्रम मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० ए० संगमा) : (क) बाल श्रम (प्रतिषेध तथा विनियमन) अधिनियम, 1986 की धारा 3 के अन्तर्गत दी गयी अनुसूची में उन व्यवसायों तथा प्रक्रियाओं की सूची विवरण में दी गई है जिनमें बाल श्रम प्रतिषेद्ध है **(नीचे देखिए)**

(ख) प्रमाणिक अनुमान दसवर्षीय जनगणना के माध्यम से तैयार किए जाते हैं । प्रत्येक व्यवसाय तथा प्रक्रिया में बाल श्रमिकों की संख्या 1981 की जन - गणना के द्वारा उपलब्ध नहीं है । 1991 की जनगणना के आंकड़े अभी प्रकाशित किये जाने हैं ।

विवरण

भाग—क

व्यवसाय :

निम्नलिखित से संबद्ध कोई व्यवसाय—

(1) यात्री, माल अथवा रेलवे द्वारा डाक परिवहन ;

(2) सिंडर उठाना, राख के गड्ढे की सफाई अथवा रेल परिसरों में भवन निर्माण ;

(3) रेलवे स्टेशन पर खान-पान प्रतिष्ठान में कार्य इसमें वैंडरों अथवा प्रतिष्ठान के किसी अन्य कर्मचारी द्वारा एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म अथवा चलती रेल गाड़ी में अथवा बाहर की गति विधि शामिल है ;

(4) रेलवे स्टेशन का निर्माण से संबंधित कार्य अथवा कोई अन्य कार्य जहां ऐसा कार्य रेलवे लाईन के अत्यधिक समीप अथवा रेलवे लाइनों के बीच किया जाता है ;

(5) किसी पत्तन को सीमाओं के भीतर पत्तन प्राधिकरण ;